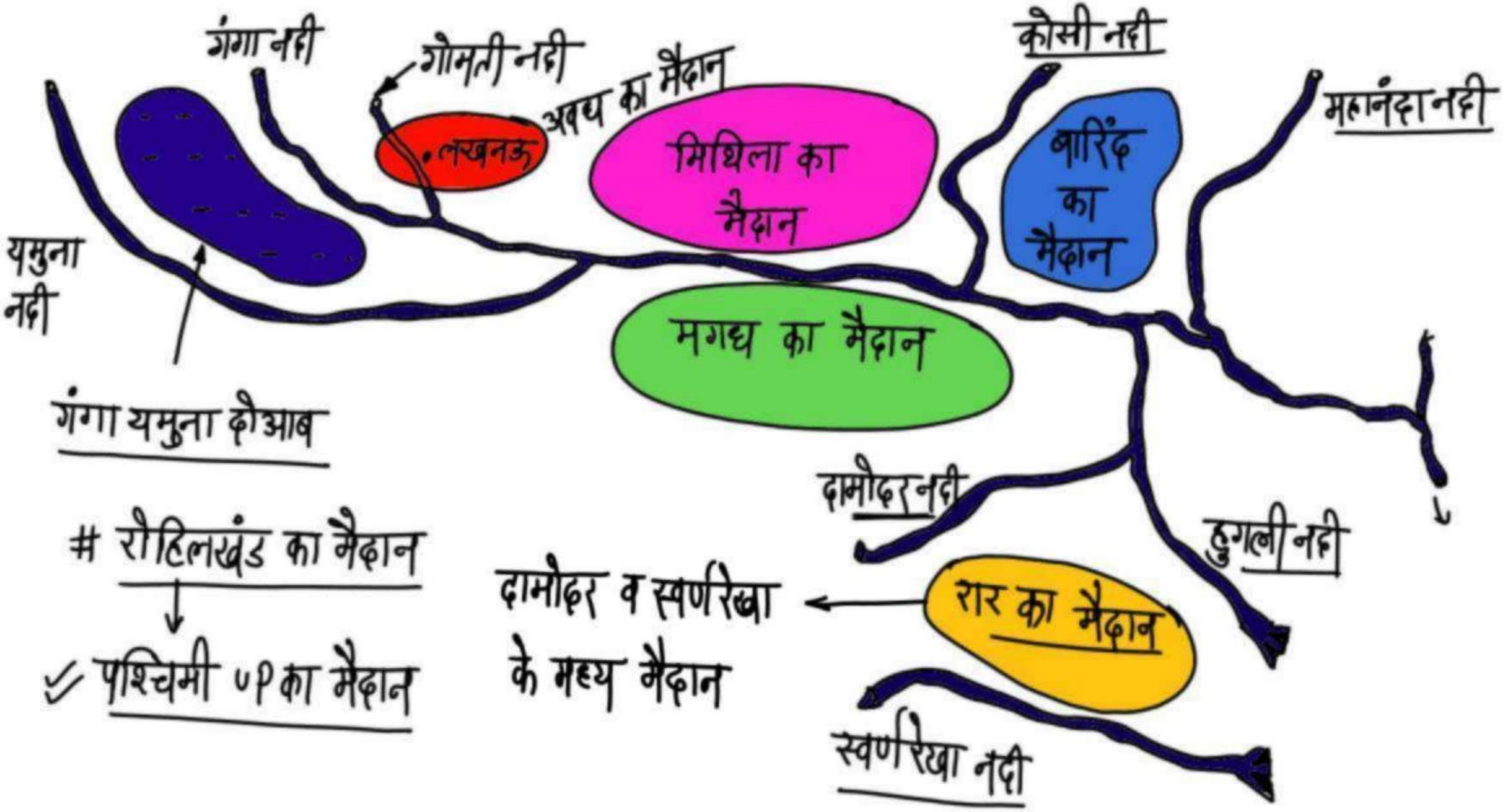
गंगा नदी
गोमती नदी
अवध का मैदान
लखनऊ
मिथिला का मैदान
कोसी नदी
बारिंद का मैदान
महानंदा नदी
यमुना नदी
मगध का मैदान
गंगा यमुना दोआब
दामोदर नदी
हुगली नदी
रार का मैदान
दामोदर व स्वणरिखा के मध्य मैदान
स्वणरिखा नदी
रोहिलखंड का मैदान
↓
✓ पश्चिमी UP का मैदान

हिमालय 5 लाख Km^2 व उत्तरी मैदान लगभग 7 लाख Km^2 क्षेत्रफल पर विस्तृत है।

प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश

- सम्पूर्ण भारत का सबसे बड़ा भौतिक प्रदेश है, जो कुल क्षेत्रफल का लगभग आधा है।
- सबसे प्राचीन भौतिक प्रदेश है।
- गौंडवानालैंड का अवशेष है।
- शील्ड उदाहरण है। (शील्ड - प्राचीनतम लावा पठार)
- औसत ऊंचाई 600-900 मी.
- आकृति - त्रिभुजाकार या मेजाकार

प्रायद्वीपीय भारत

1. मध्यवर्ती उच्च भूमि
2. दक्कन का पठार
3. कर्बी-एनलोंग का पठार

① मध्यवर्ती उच्च भूमि :-

↓

औसत ऊंचाई 700 से 1000 मी.

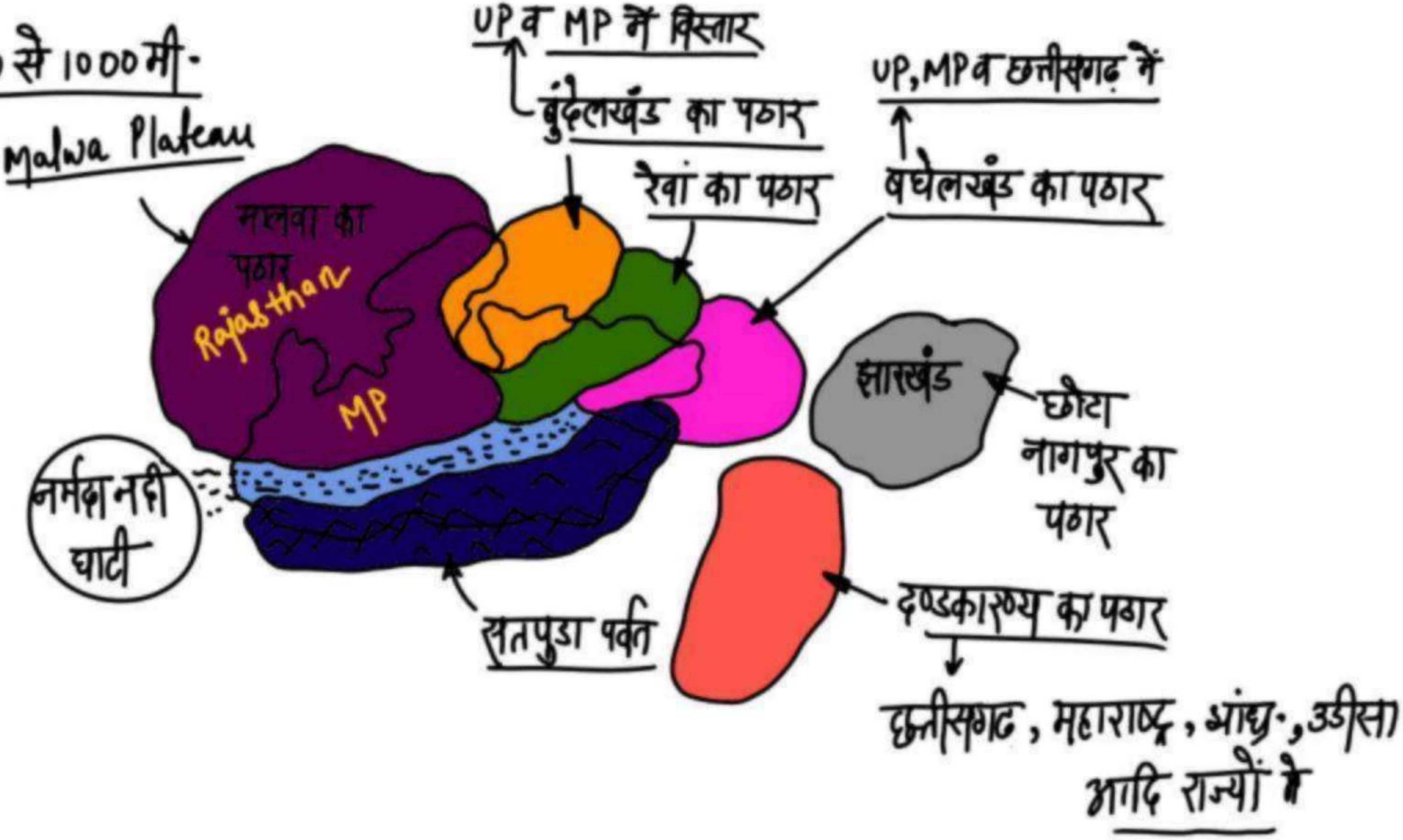

मालवा का पठार :- Rajasthan व MP में विस्तृत है, जिसका निर्माण क्रिटेशियस काल में लावा जमाव से हुआ है।

- इसे राज॰ में हाड़ौती पठार कहा जाता है।
- यहां लावा चट्टानों के अपक्षयित (weathering) होने से काली मृदा का विकास हुआ है।
- इस पठार उज्जैन (महाकाल नगरी), भोपाल (झीलों की नगरी), इंदौर (मिनी मुंबई) व सांची नगर अवस्थित है।
  - ↳ स्तूपों की नगरी ✓

↳ इस पठार से चंबल, क्षिप्रा, कालीसिंध, पार्वती नदियां प्रवाहित होती हैं।

② **बुंदेलखंड का पठार** :- UP व MP में विस्तृत है (UP व MP के 7-7 जिलों में)

- यह प्राचीन ग्रेनाइट, नीस चट्टानों से निर्मित पठार है जिसके अपरदन व अपक्षयित होने के कारण लाल-पीली मिट्टी का विकास हुआ है।
- यहां से बेतवा व केन नदियां प्रवाहित होती हैं।
- यहां अर्द्धशुष्क जलवायवीय दशाओं का विकास हुआ है।

③ बघेलखंड का पठार :- MP व छत्तीसगढ़ में

↳ कैमूर पहाड़ियों के पूर्व में स्थित है, जो कि सोन व महानदी अपवाह तंत्र को पृथक करता है।

④ दण्डकारण्य का पठार :- विस्तार मुख्य रूप से छत्तीसगढ़, उड़ीसा में मिलता है।
(महाराष्ट्र, झारखंड में भी है)

- इसे छत्तीसगढ़ में बस्तर तथा उड़ीसा में कालाहांडी पठार कहा जाता है।
  - बस्तर → टिन के लिए प्रसिद्ध
  - कालाहांडी पठार → बॉक्साइट भंडारों के लिए प्रसिद्ध
- यहां प्रवाहित मुख्य नदी इंद्रावती है। → चित्रकोट जलप्रपात
- इस पठारी भाग में स्थित डल्लीराजहरा की खान (छत्ती.) लौह अयस्क भंडारों हेतु प्रसिद्ध है।

⑤ छोटानागपुर का पठार :- मुख्य रूप से झारखंड में विस्तृत भूगर्भिक दृष्टिकोण से काफी विविधतापूर्ण है। धारवाड, क्रिटेशियस, गोंडवाना आदि कई प्रकार की चट्टानें मिलती हैं।

→ भारत का रूर प्रदेश व खनिज गृह कहा जाता है।

रूर प्रदेश → जर्मनी में है।

क्रिटेशियस कालीन लावा जमाव

राजमहल की पहाड़ियां

रांची का पठार

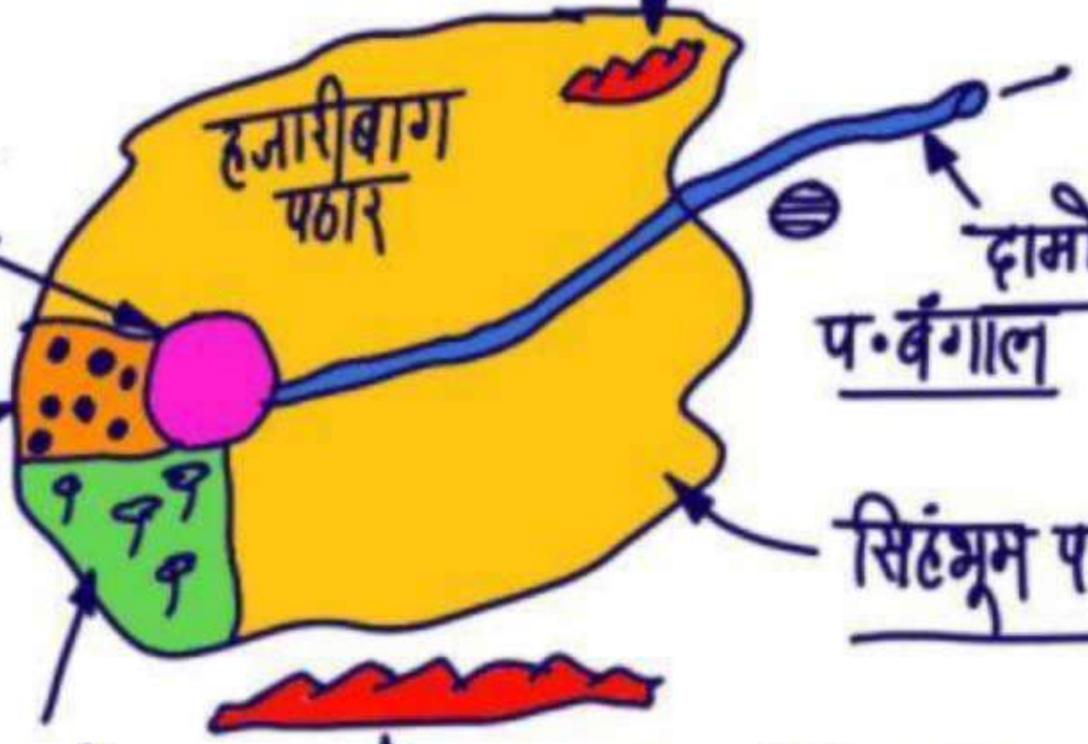

यहां मेसा व बुटे स्थलाकृतियां मिलती हैं।

दामोदर नदी

प.बंगाल

पाट भूमि (Pat land)

सिंहभूम पठार

✓एक उत्थित भूखंड है जो कि ग्रेनाइट चट्टानों से निर्मित है तथा लैटेराइट निक्षेप पाये जाते हैं।

सारण्ड वन क्षेत्र

गढ़जात पहाड़ियां (उड़ीसा)

दामोदर भ्रंश घाटी में गोंडवाना चट्टानों से कोयला की प्राप्ति।

⇒ रांची पठार की औसत ऊंचाई 600 मी तथा हजारीबाग की औसत ऊंचाई 300 मीटर है। → Bihar Board Book 9th

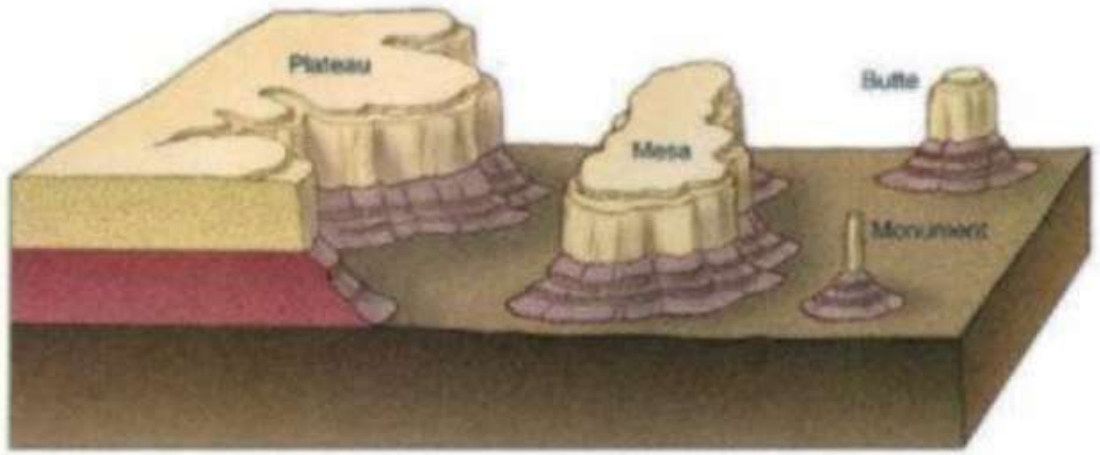

FIGURE 12.3
Characteristic erosional landforms in arid or semiarid areas with horizontal rock layers. Retreat of a plateau leaves mesas, buttes, and monuments as remnants.

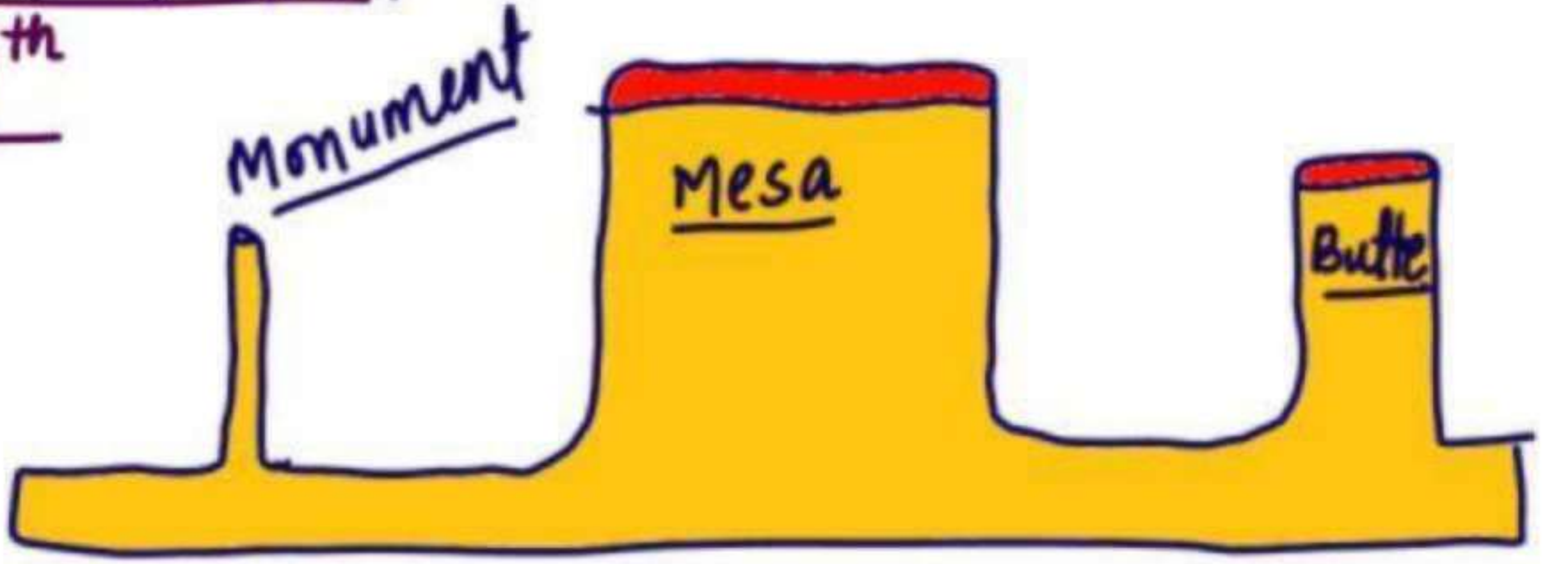

सर्वोच्च चोटी = पारसनाथ (23वें जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ से संबंधित)

↓ (1365 मी)

↓ सम्मेद शिखर भी कहा जाता है।

⇒ छोटा नागपुर पठार मालदा भ्रंश या राजमहल-गारो गैप द्वारा मेघालय पठार से पृथक होता है।

⇒ कर्बी-एनलोंग पठार असम में है तथा इस पर उत्तरी कचार की पहाड़ी स्थित है।

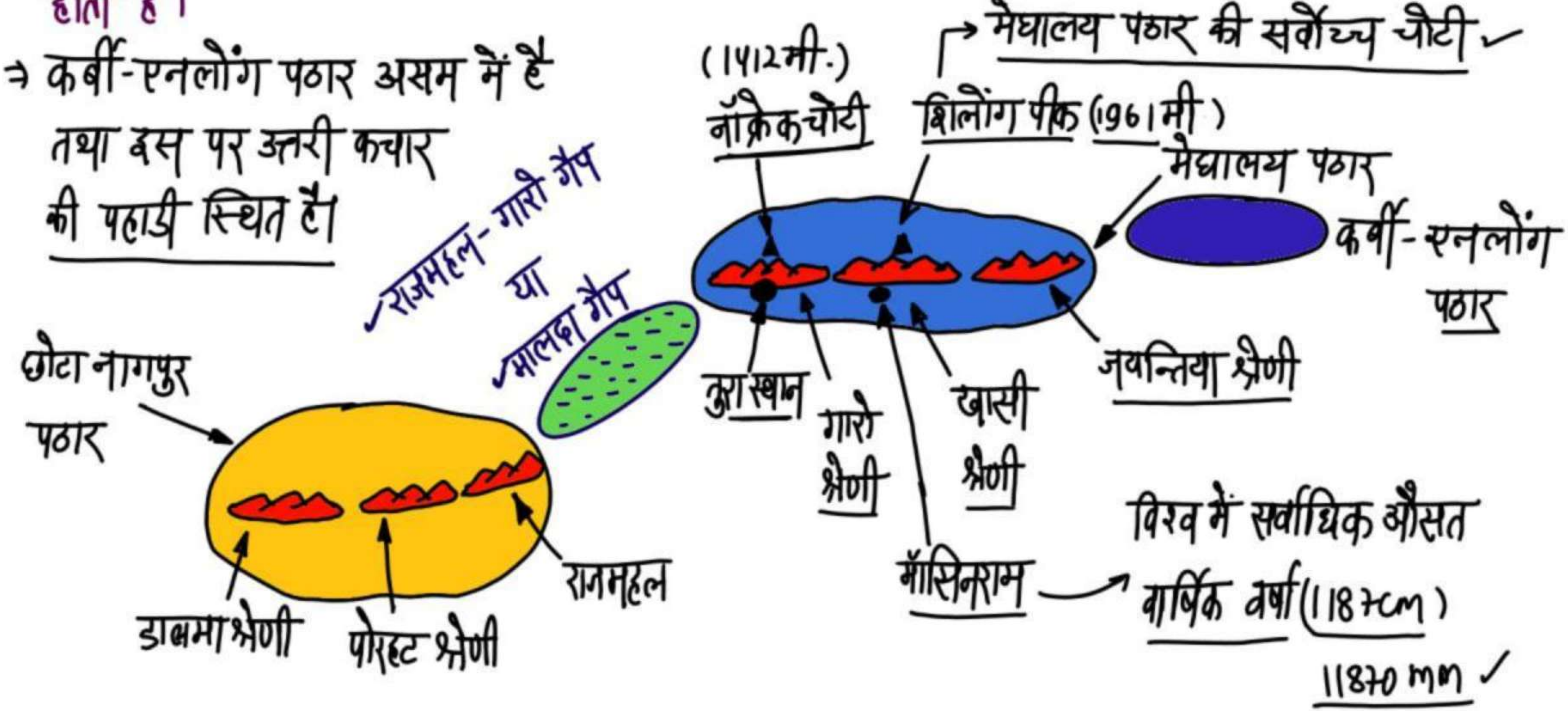

राजस्थान का जैसलमेर जितनी वर्षा 10 वर्ष में प्राप्त करता है उतनी वर्षा मेघालय के तुरा स्थान पर 1 दिन में प्राप्त होती है।

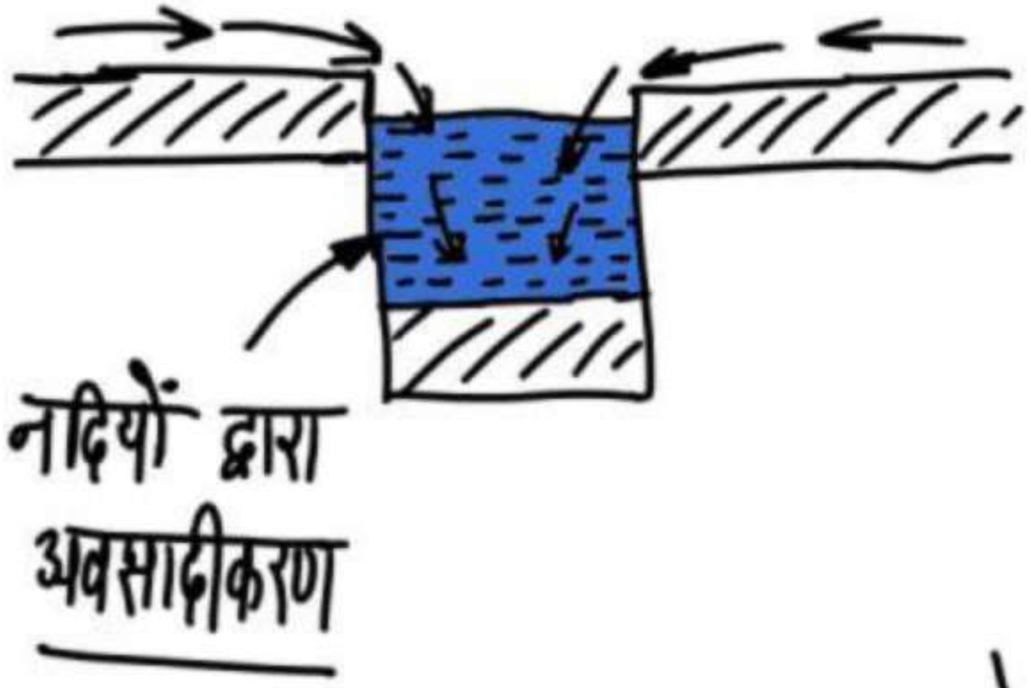

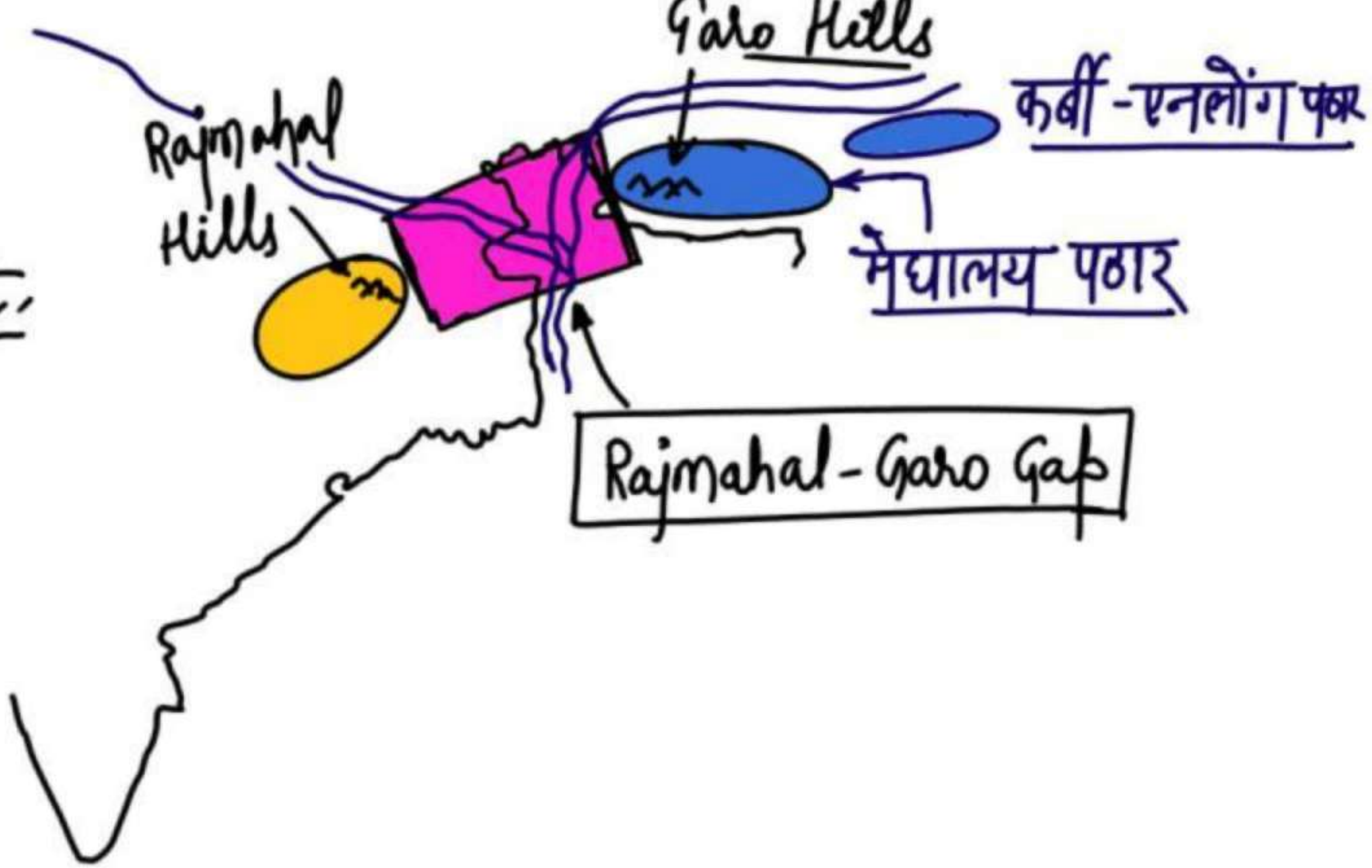

⇒ मेघालय की पहाड़ियों में लैटेराइट मृदा का विकास हुआ है।

⇒ मेघालय में गोंडवानाकालीन चट्टानों से कोयला की प्राप्ति होती है।

↓

Rat hole mining

Note :- मेघालय पठार भौगोलिक रूप से प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश का हिस्सा है।

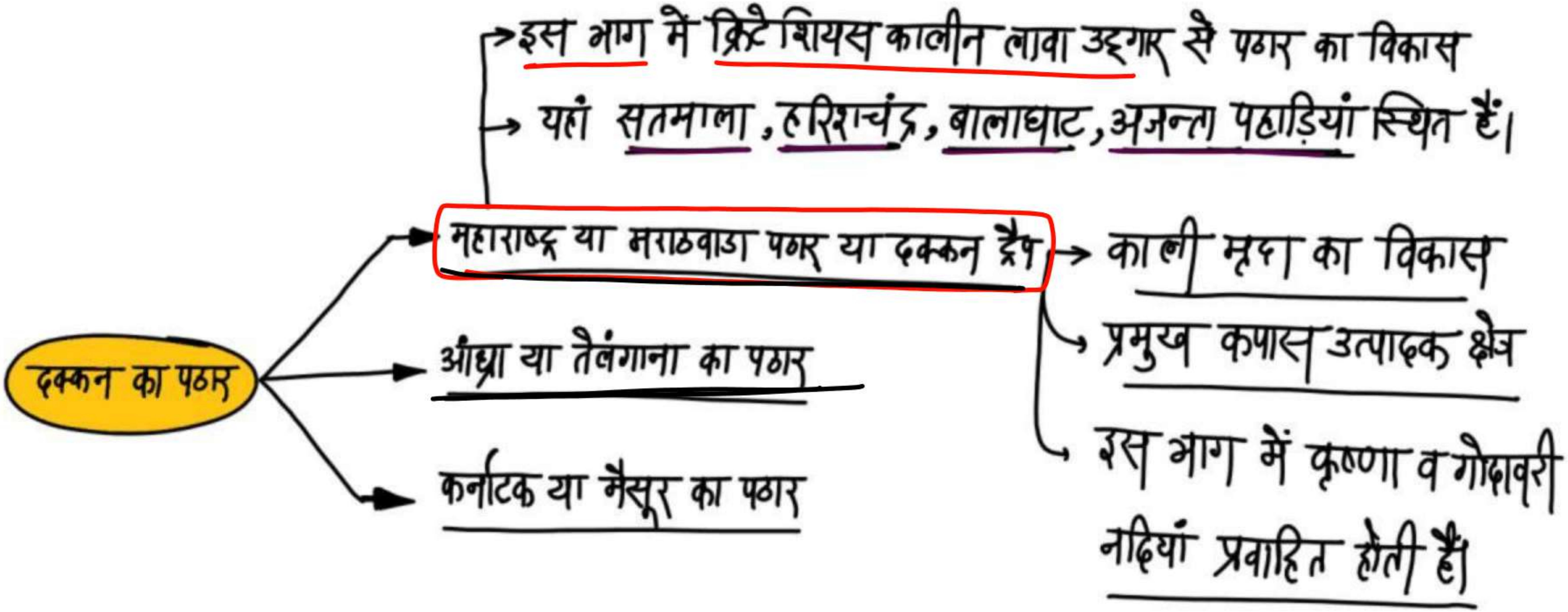
दक्कन का पठार
इस भाग में क्रिटेशियस कालीन लावा उद्गार से पठार का विकास
यहां सतमाला, हरिश्चंद्र, बालाघाट, अजन्ता पहाड़ियां स्थित हैं।
महाराष्ट्र या मराठवाड़ा पठार या दक्कन ट्रैप
काली मृदा का विकास
प्रमुख कपास उत्पादक क्षेत्र
इस भाग में कृष्णा व गोदावरी नदियां प्रवाहित होती हैं।
आंध्रा या तेलंगाना का पठार
कर्नाटक या मैसूर का पठार

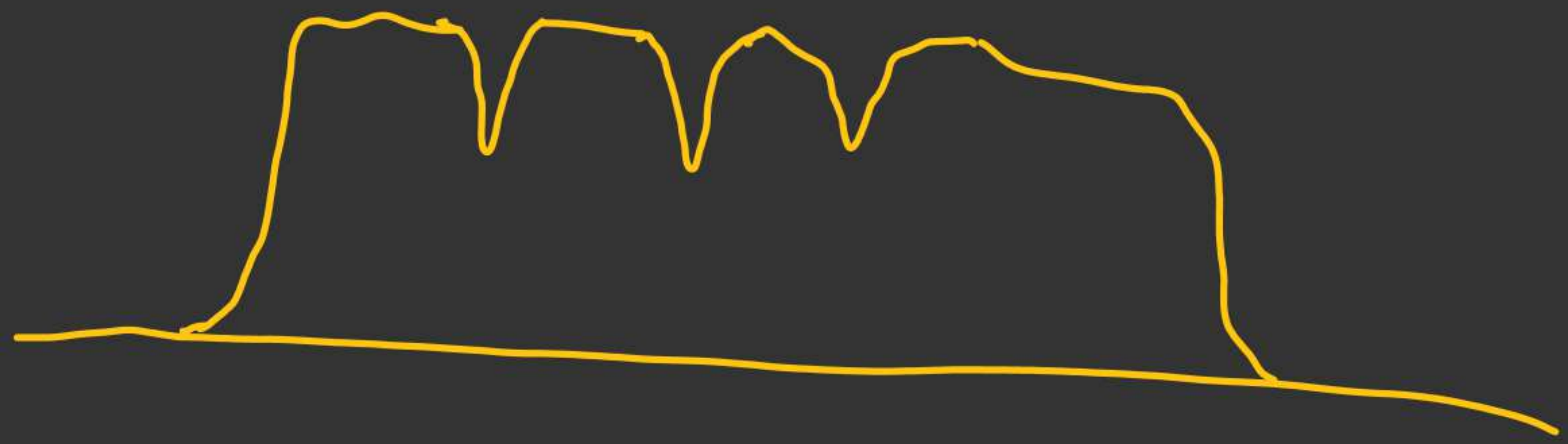

लावा चट्टानें

सौराष्ट्र पठार
मालवा पठार
दक्कन ट्रैप

सौराष्ट्र पठार
मालवा पठार
दक्कन ट्रैप

सौराष्ट्र पठार :- पहाड़ियों का उत्तर से दक्षिण की ओर क्रम

↓

कच्छ की पहाडी
↓
मांडव पहाडी
↓
बरडा पहाडी
↓
गिरनार पहाडी
→ गिर पहाडी

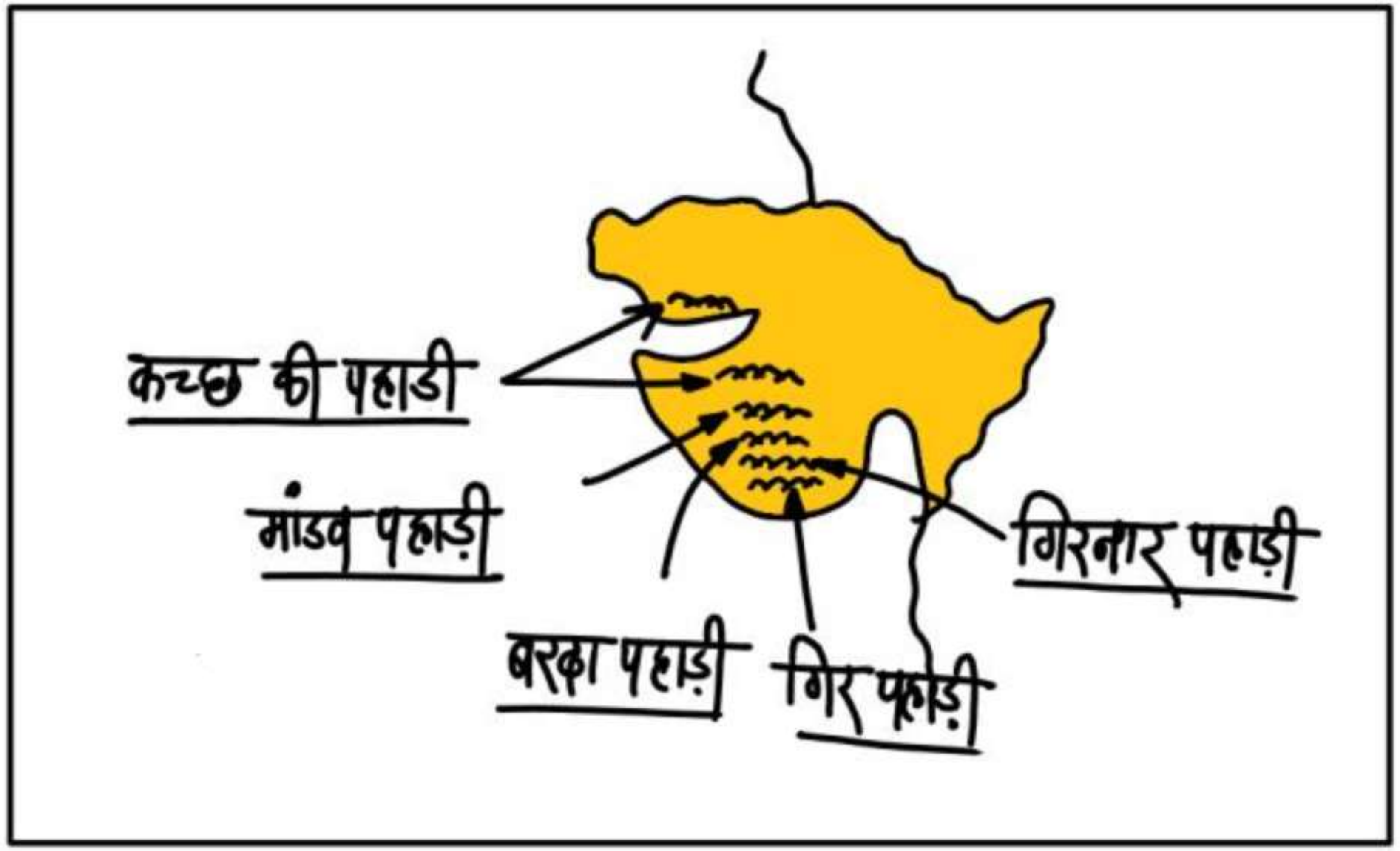

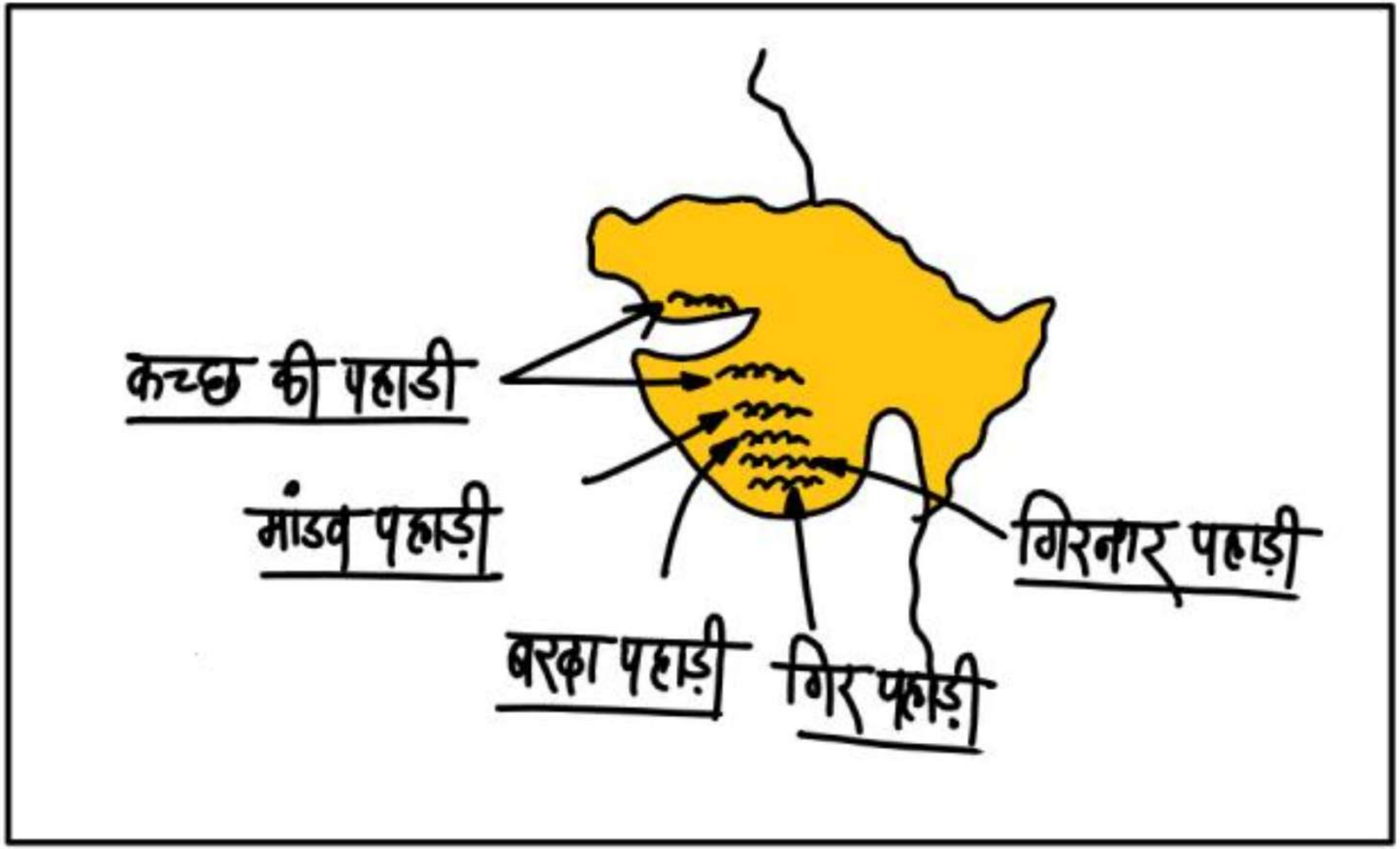
कच्छ की पहाडी
मांडव पहाड़ी
बरडा पहाड़ी
गिर पहाड़ी
गिरनार पहाड़ी

✓ आंध्रा पठार :-

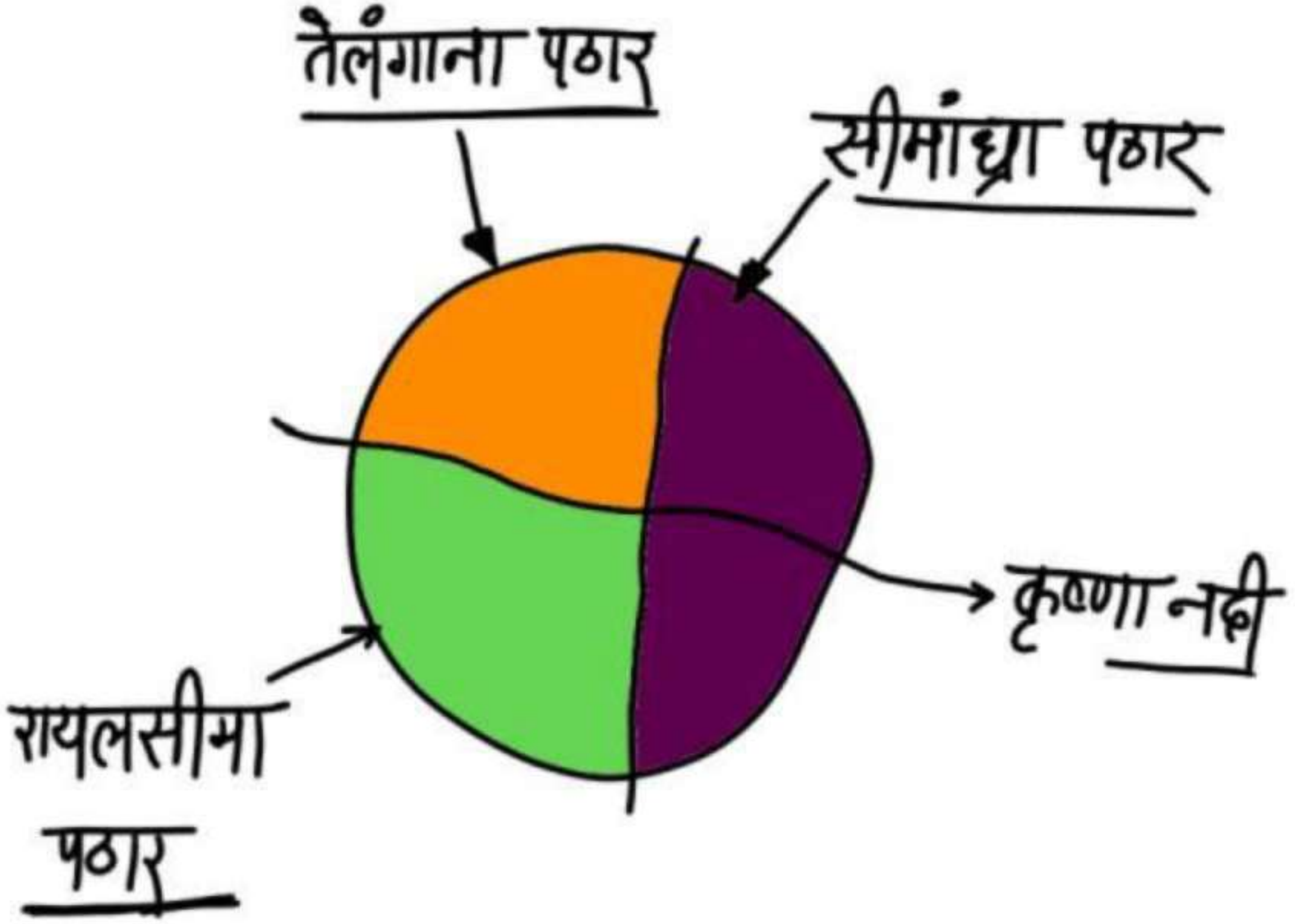

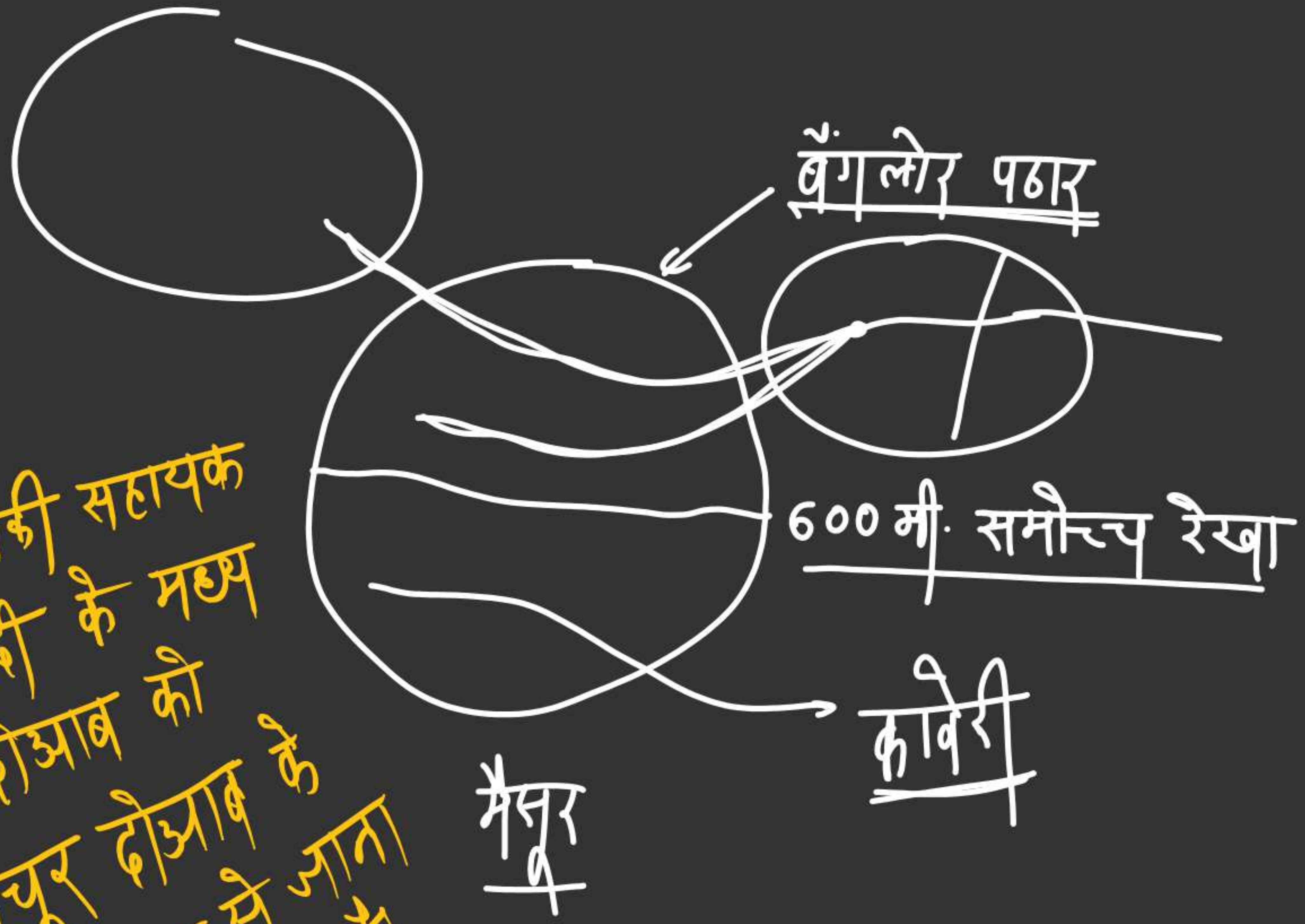

Note :-

कृष्णा व इसकी सहायक तुंगभद्रा नदी के मध्य विस्तृत दोआब को रायचूर दोआब के नाम से जाना जाता है

कर्नाटक या मैसूर पठार :- धारवाड क्रम की चट्टानें पायी जाती हैं जिनसे धात्विक खनिज प्राप्त होते हैं। इस पठार पर स्थित बाबा बूदन की पहाड़ियाँ लौह अयस्क व कॉफी उत्पादन हेतु प्रसिद्ध है। इन पहाड़ियों में स्थित मुलनगिरि चोटी कर्नाटक पठार की **सर्वोच्च चोटी है।**

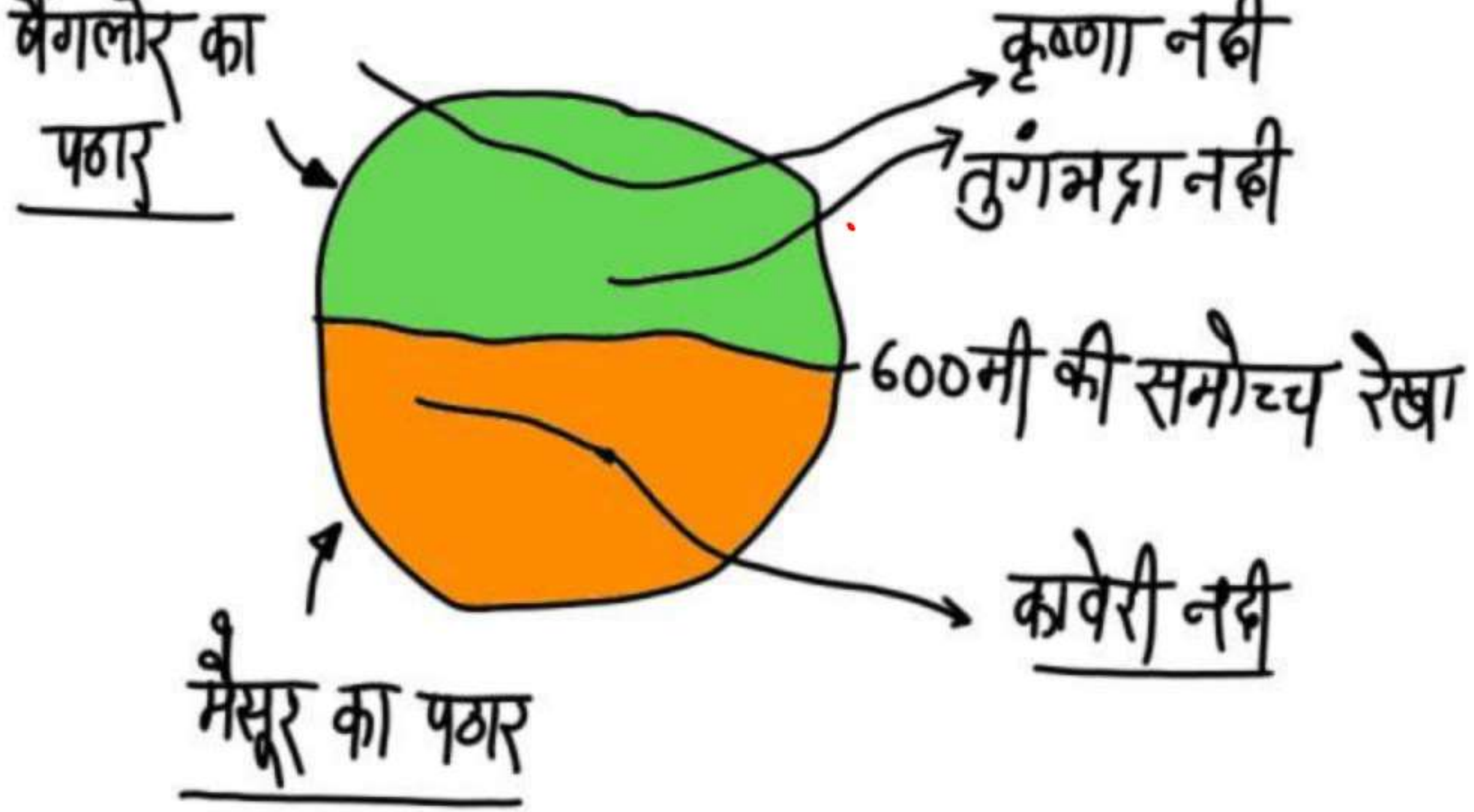

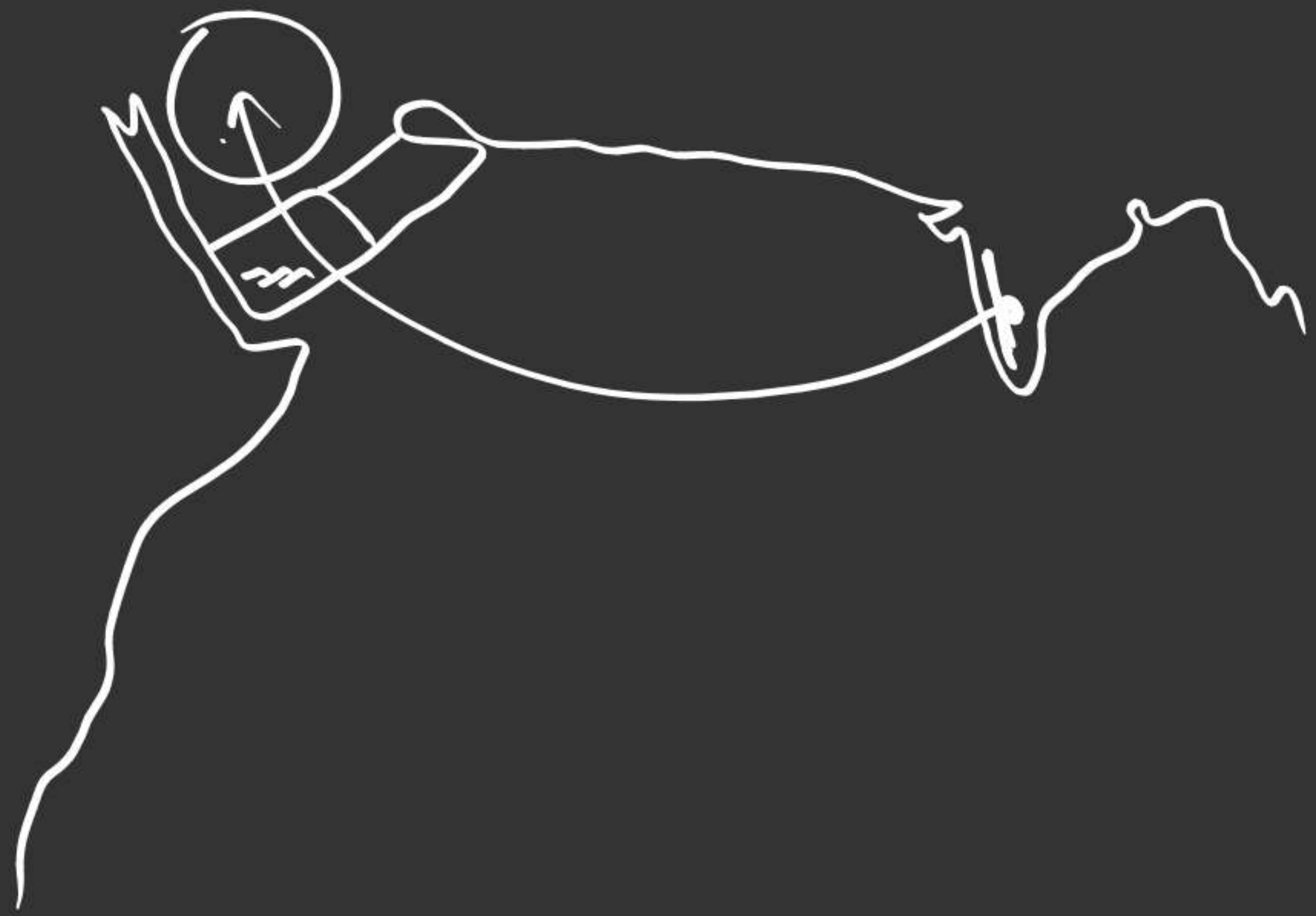

प्रायद्वीपीय भारत की पहाड़ियाँ
(Hills of Peninsular India)

अरावली पर्वतमाला

- विश्व की प्राचीनतम, वलित व अवशिष्ट पर्वतमाला है।
- निर्माण - प्री-कैम्ब्रियन काल में
- लंबाई- 1400 KM तथा चौडाई-5 KM होगी।
- भारत की हरित दीवार Green Wall of India

थार मरु० के पूर्वी विस्तार को रोकने के लिए निर्माण किया जा रहा है।

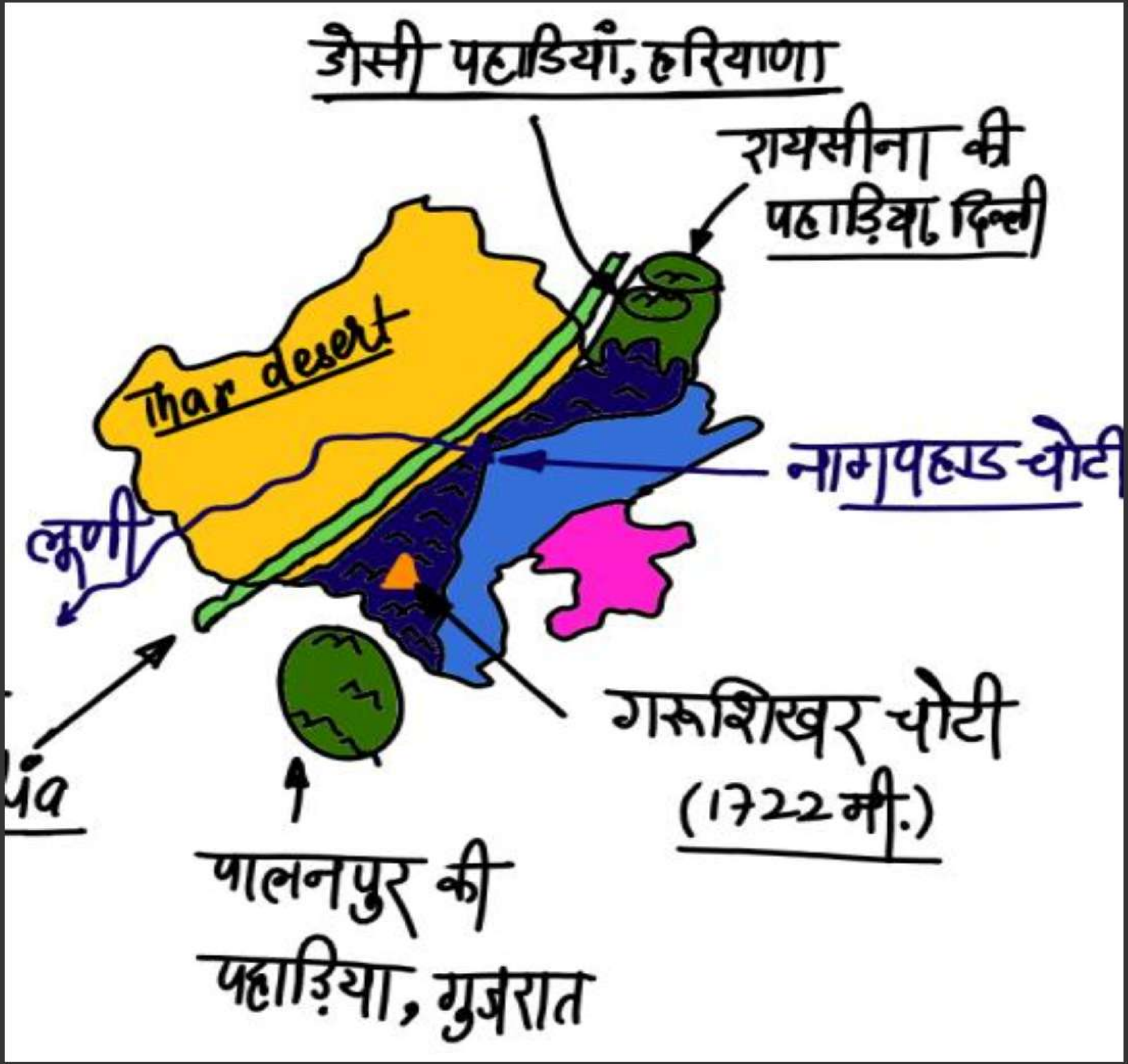

ढोसी पहाड़ियाँ, हरियाणा
रायसीना की
पहाड़िया, दिल्ली
Thar desert
नागपहाड़ चोटी
लूणी
गुरुशिखर चोटी
(1722 मी.)
पालनपुर की
पहाड़िया, गुजरात

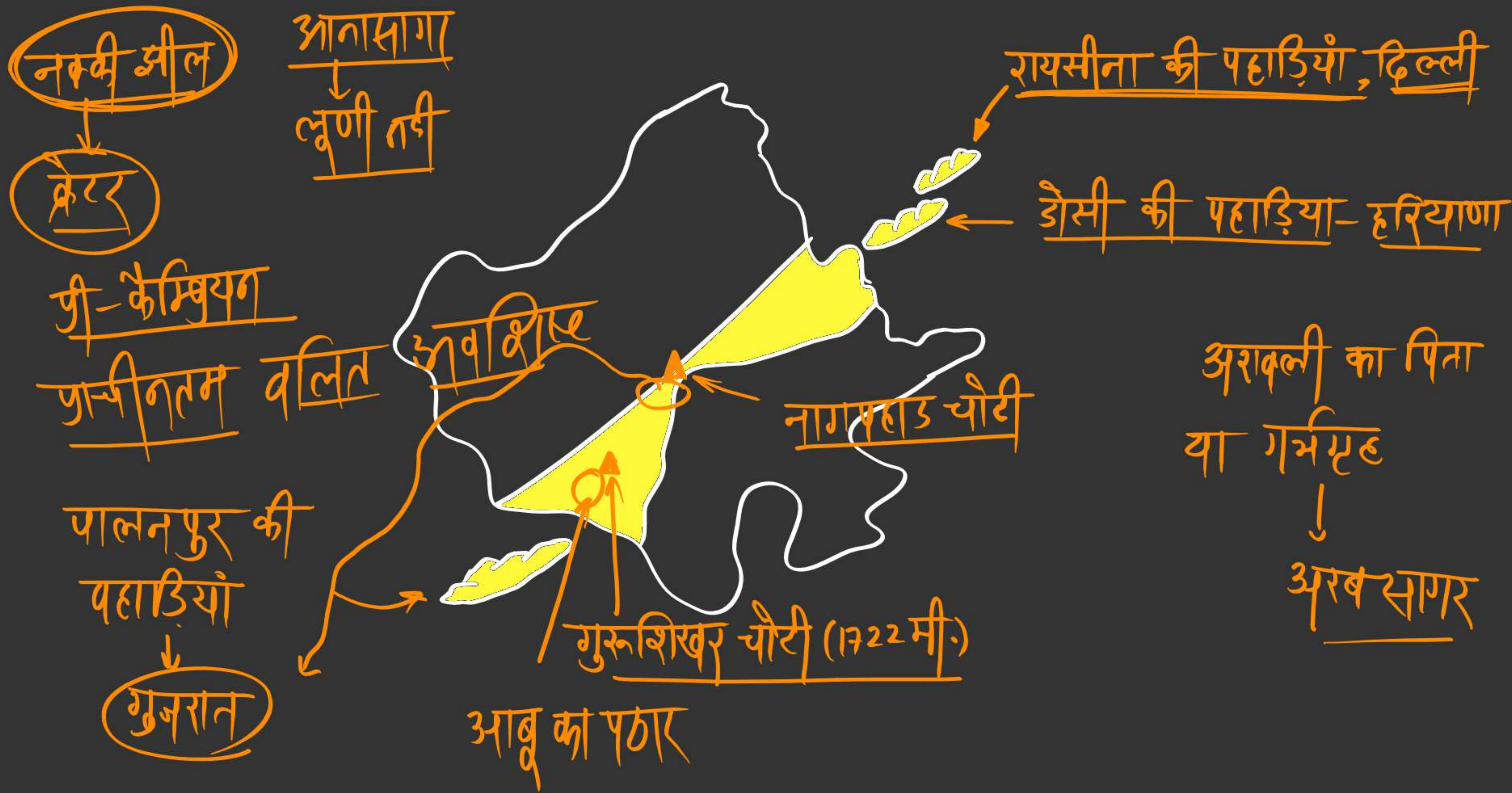

नक्की झील
क्रेटर
आनासागर
लूणी नदी
प्री-कैम्ब्रियन
प्राचीनतम वलित अवशिष्ट
पालनपुर की पहाड़ियां
गुजरात
रायसीना की पहाड़ियां, दिल्ली
डोसी की पहाड़िया- हरियाणा
नागपहाड़ चोटी
अरावली का पिता या गर्भगृह
अरब सागर
गुरुशिखर चोटी (1722 मी.)
आबू का पठार

- अरावली की सर्वोच्च चोटी दक्षिणी अरावली में स्थित है जिसे गुरूशिखर नाम से जाना जाता है तथा यह अरावली सहित राजस्थान व मध्य भारत की भी सर्वोच्च चोटी है।

- नागपहाड़, मध्य अरावली की एक महत्वपूर्ण चोटी है, जो कि अजमेर में स्थित है तथा इसके निकट आनासागर झील से लूणी नदी का उद्‌गम होता है।

- अरावली में गुरूशिखर के निकट माउंट आबू हिल स्टेशन (सिरोही) स्थित है तथा यहां नक्की झील भी है जो एक क्रेटर का उदाहरण है।

→ अरावली में तांबा, लौह अयस्क (उत्तरी अरा॰) ; टंगस्टन, लीथियम (मध्य अरा॰) तथा दक्षिणी अरावली में चांदी व सीसा-जस्ता के भंडार मिलते हैं।

→ अरा॰ में बड़े पैमाने पर मार्बल / संगमरमर के भंडार भी मिलते हैं

↓

मकराना का सफेद मार्बल से ताजमहल का निर्माण

Note :- राजस्थान के उदयपुर जिले में स्थित जावर की खान

↓

सीसा - जस्ता

⇒ देलवाड़ा व रणकपुर के जैन मंदिर स्थित है

देलवाड़ा ↓ Sirohi

रणकपुर ↓ Pali

→ अरावली में रणकपुर व देलवाड़ा के जैन मंदिर स्थित हैं जो कि राजस्थान में हैं।

→ अरावली की कुल लंबाई 692 KM औसत ऊंचाई 930 मी हैं।

↓

80% भाग केवल राज॰ में है।

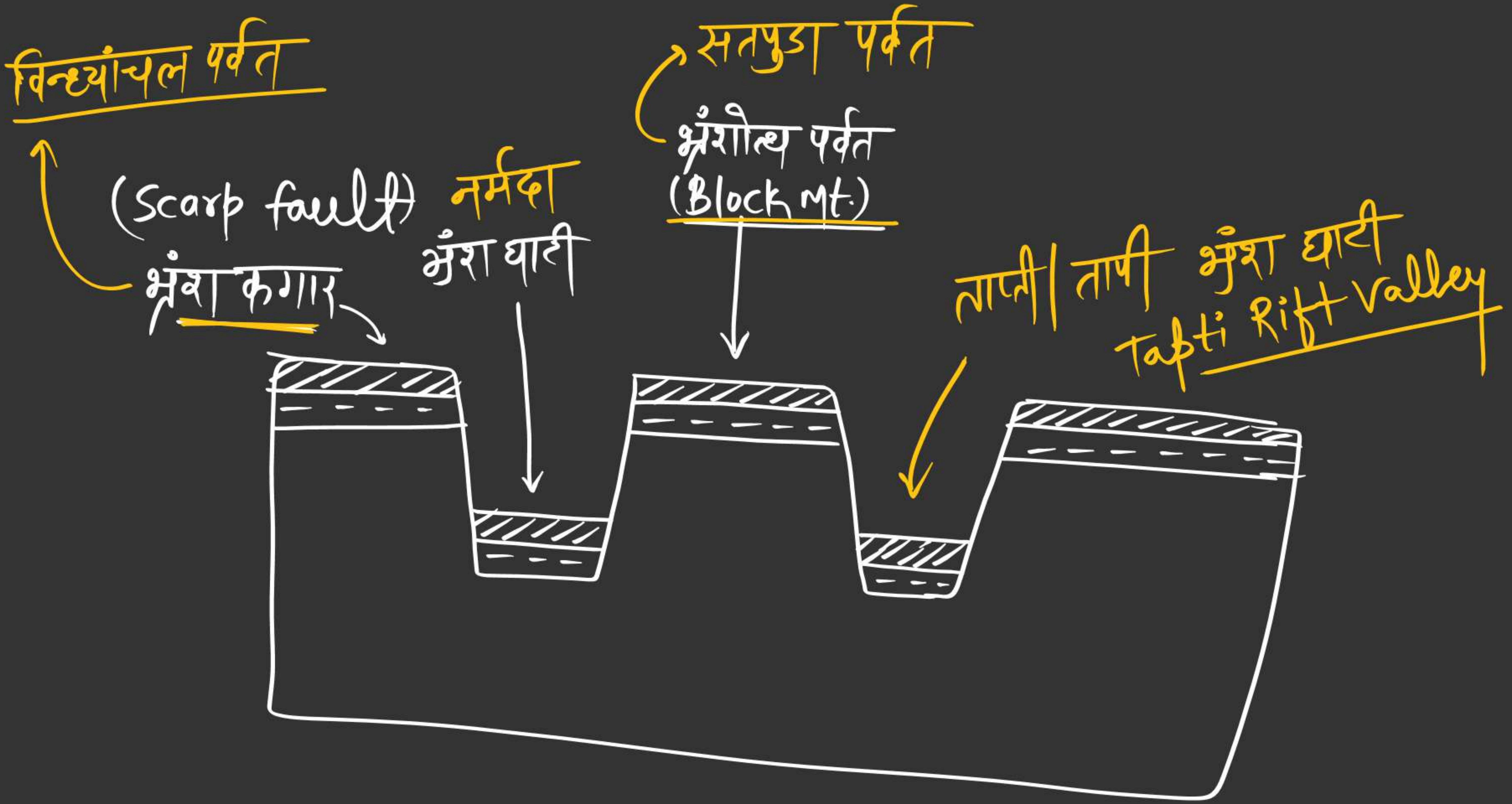
विन्ध्यांचल पर्वत
(Scarp fault)
भ्रंश कगार
नर्मदा
भ्रंश घाटी
सतपुड़ा पर्वत
भ्रंशोत्थ पर्वत
(Block Mt.)
ताप्ती | तापी भ्रंश घाटी
Tapti Rift Valley

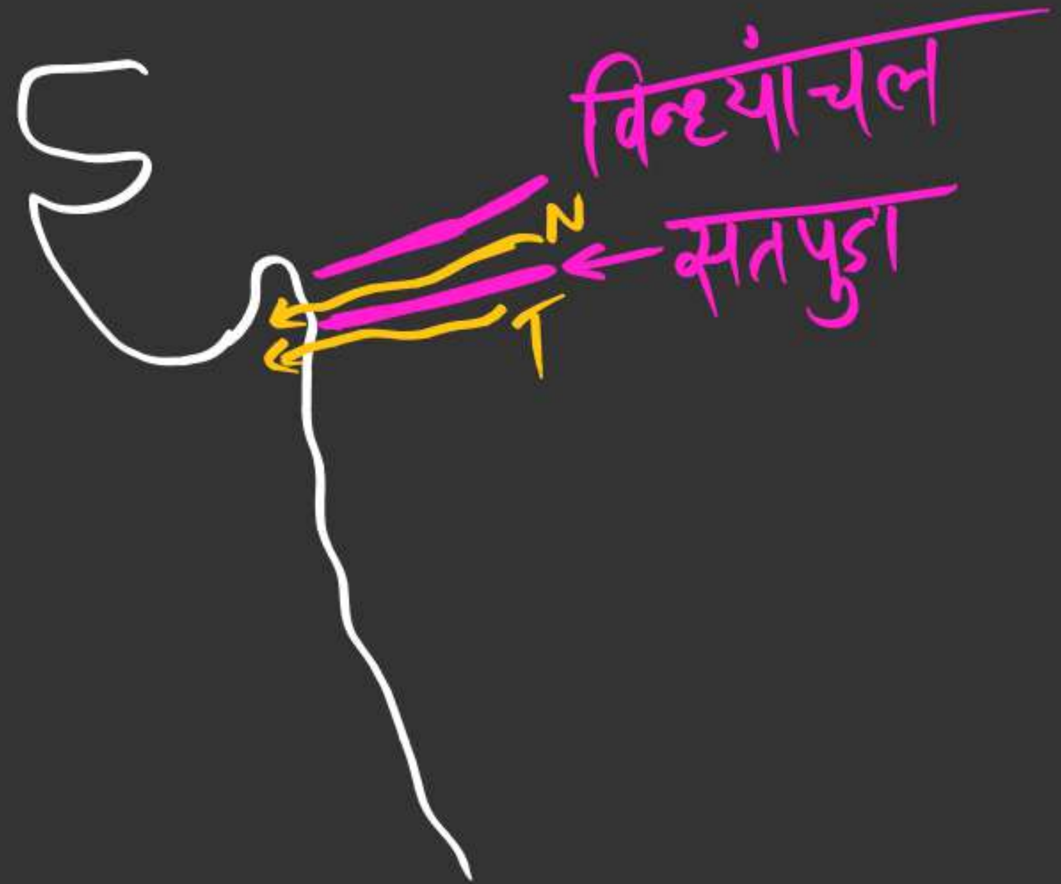

विन्ध्यांचल
N
सतपुड़ा
T

विन्ध्यांचल पर्वत :- यह एक भ्रंश कगार पर्वत के रूप में है।
(Scarp fault mt.)

- विस्तार - राज॰ के चित्तौड़गढ़ से गुजरात, MP व बिहार में सासाराम तक है।
  - सासाराम → शेरशाह सूरी का मकबरा → (फरीद)
- यह उत्तरी व दक्षिणी भारत की सीमा का निर्धारण करता है।
- लंबाई लगभग 1050 KM है जिसे गुजरात में जोबट हिल्स के नाम से जानते हैं।
- चूना पत्थर, बलुआ पत्थर, डोलोमाइट व हीरों की प्राप्ति होती है।

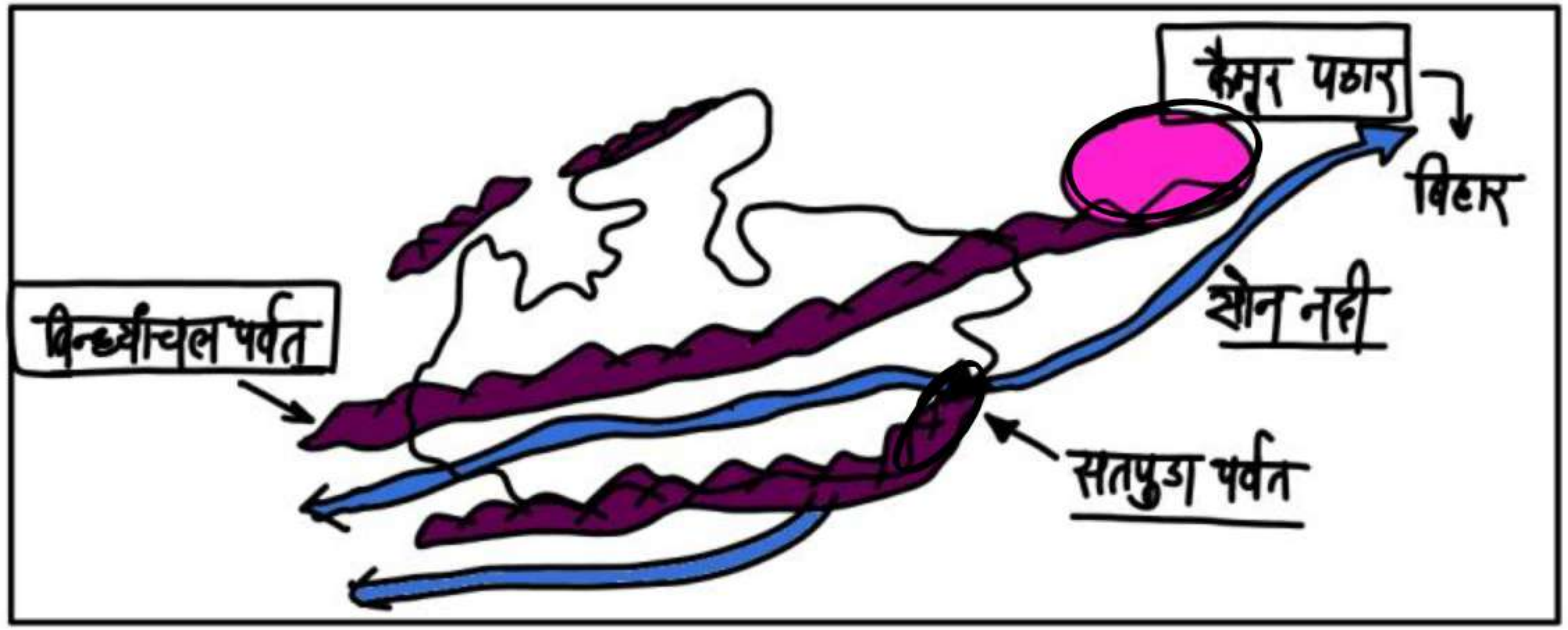
कैमूर पठार
बिहार
सोन नदी
विन्ध्याचल पर्वत
सतपुडा पर्वत

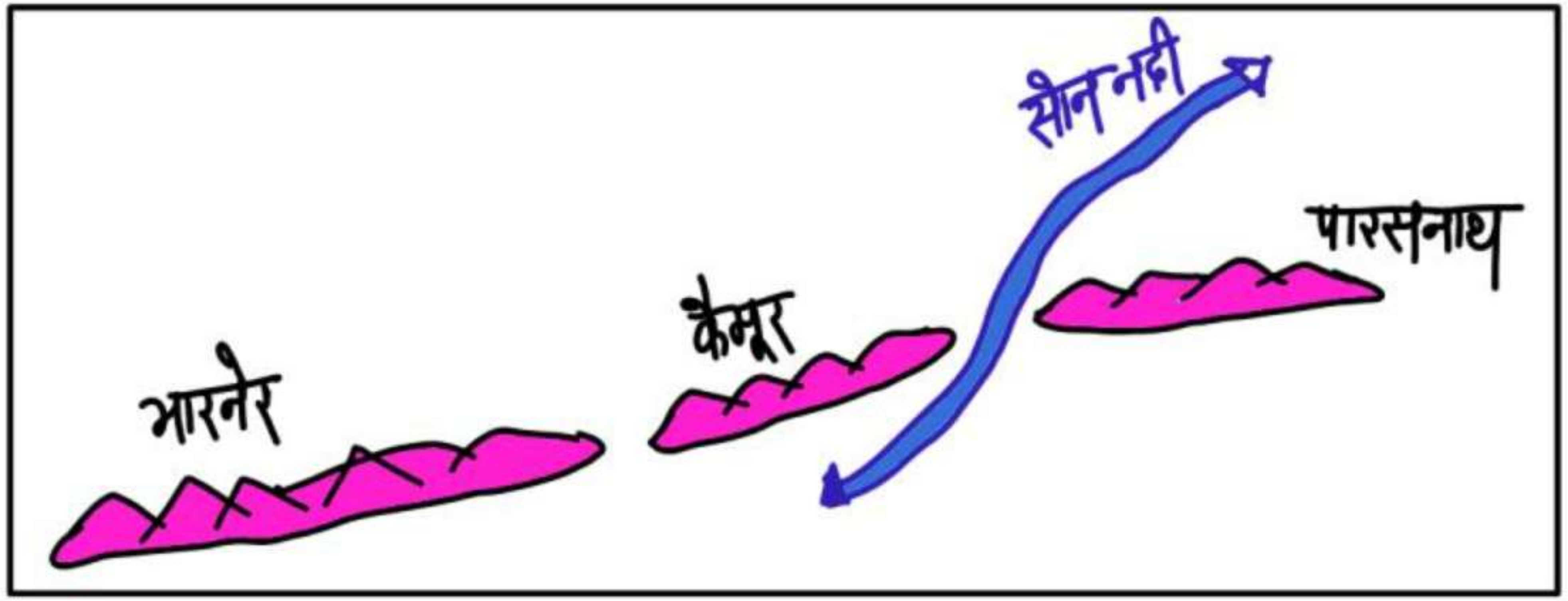
सोन नदी
पारसनाथ
कैमूर
भारनेर

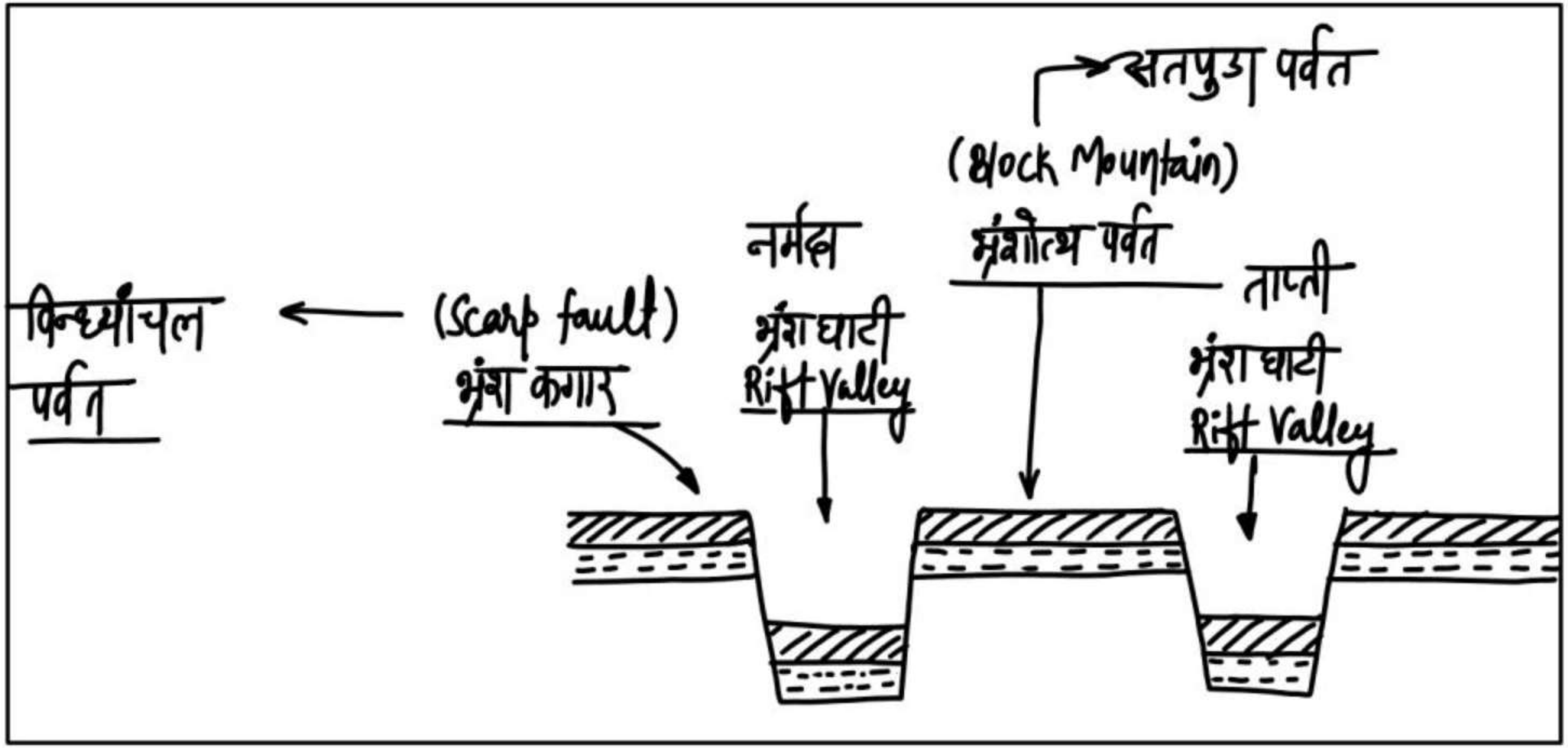
सतपुडा पर्वत
(Block Mountain)
भ्रंशोत्थ पर्वत
नर्मदा
भ्रंश घाटी
Rift Valley
विन्ध्यांचल
पर्वत
(Scarp fault)
भ्रंश कगार
ताप्ती
भ्रंश घाटी
Rift Valley

सतपुड़ा पर्वत :- यह एक भ्रंशोत्थ पर्वत है जिसका विस्तार नर्मदा व तापी भ्रंश घाटियों के मध्य MP, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ की सीमा पर मिलता है।

→ निर्माण ग्रेनाइट व बेसाल्ट चट्टानों से हुआ है।

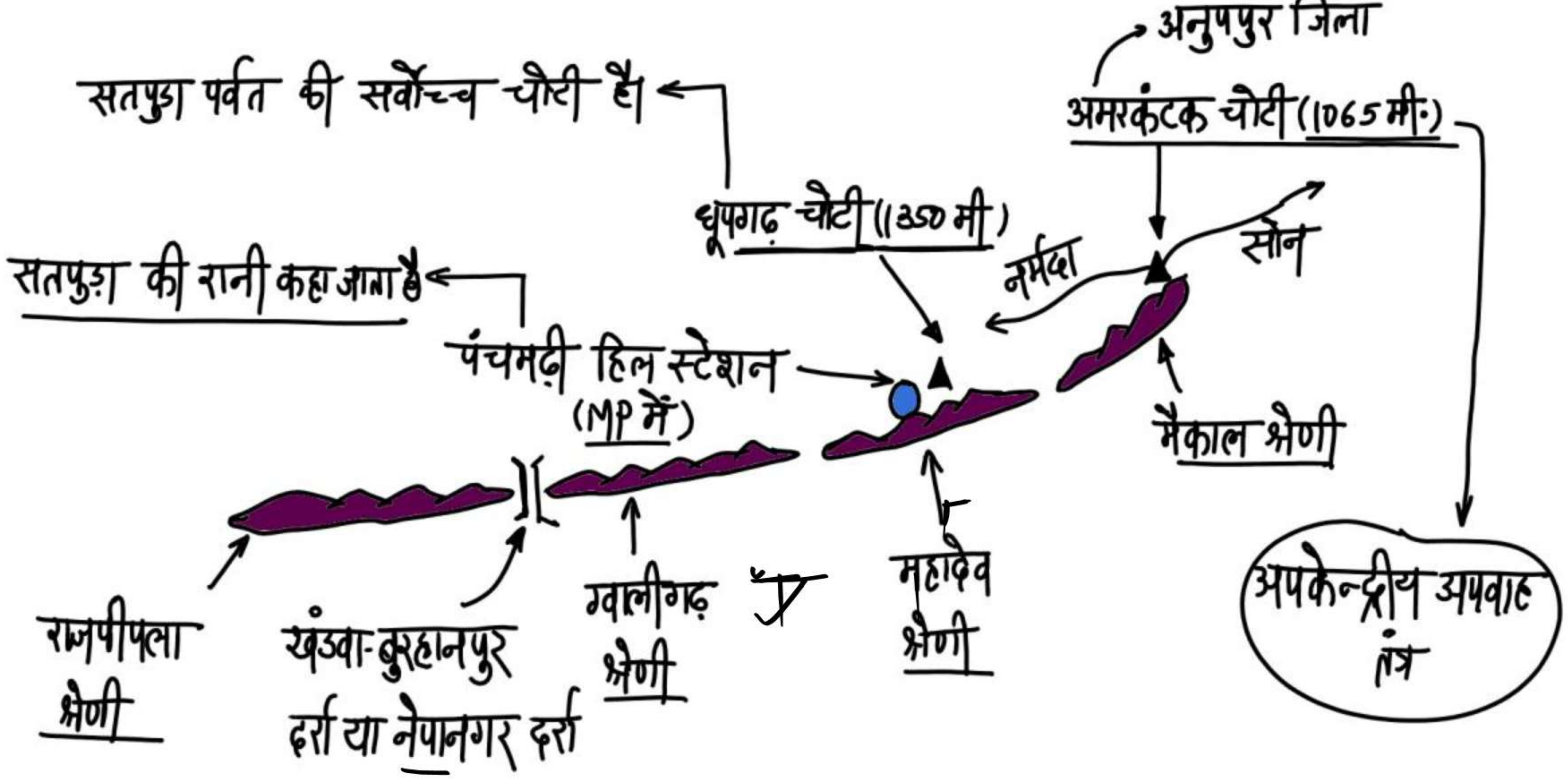
सतपुड़ा पर्वत की सर्वोच्च चोटी है
अनुपपुर जिला
अमरकंटक चोटी (1065 मी॰)
धूपगढ़ चोटी (1350 मी)
नर्मदा
सोन
सतपुड़ा की रानी कहा जाता है
पंचमढ़ी हिल स्टेशन
(MP में)
मैकाल श्रेणी
राजपीपला श्रेणी
खंडवा-बुरहानपुर दर्रा या नेपानगर दर्रा
ग्वालीगढ़ श्रेणी
महादेव श्रेणी
अपकेन्द्रीय अपवाह तंत्र